

## शिरडी न आऊ तो जी गबराता है

शिरडी न आऊ तो जी गबराता है,  
ये तेरी किरपा है तू ही भुलाता है,  
शिर्डी आकर दिल को मेरे चैन आता है,  
शिरडी न आऊ तो जी गबराता है,

चाँद हो या तारे या फूल तारे लगते नहीं है अब मुझको प्यारे,  
जब से निहारी सूरत तुम्हारी चड़ने लगी साईं नाम की खुमारी,  
ये तेरा मुखड़ा ही मुझको भाता है,  
देख के तुझको मन को मेरे चैन आता है,  
शिरडी न आऊ तो जी गबराता है,

नाम कोई मुश्किल ना कोई उज्जलन,  
भागे उदासी बोजिल न हो मन,  
आके यहाँ मैं तुझमे खो जाता तुझे देख कर मेरा मन मुश्करता,  
मुझपे तो बाबा तू प्यार लुटाता है,  
देख के तुझको मन को मेरे चैन आता है,  
शिरडी न आऊ तो जी गबराता है,

जब से मिला है शिरडी का द्वारा तब से बना मैं सब का ही प्यारा,  
आनंद ही आनंद मिलता यहाँ है शिरडी सी मस्ती और कहा है,  
इसलिए रणजीत तेरे दर पे आता है,  
देख के तुझको मन को मेरे चैन आता है,  
शिरडी न आऊ तो जी गबराता है,

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/7818/title/shirdi-na-aa-u-to-jee-gabarta-hai>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |